धान नर्सरी की पत्तियां पीली,सफेद होने पर किसान करें प्रबंधन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने जैसी लगी है।

उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 फीसदी से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें।

छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय-समय पर सिंचाई भी करते रहें।खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। डॉ खान ने किसानों को सुझाव देते हुए बताया कि शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है, ताकि नर्सरी सूखने न पाए। समय-समय पर सिंचाई करते रहें।

किसानों को सलाह।धान नर्सरी की पत्तियां पीली/ सफेद होने पर

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने जैसी लगी है। उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 फीसदी से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें। छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय-समय पर सिंचाई भी करते रहें।खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। डॉ खान ने किसानों को सुझाव देते हुए बताया कि शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है, ताकि नर्सरी सूखने न पाए। समय-समय पर सिंचाई करते रहें।

भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
दैनिक भास्कर
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

धान नर्सरी की पत्तियां पीली/सफेद होने पर किसान करें प्रबंधन

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने जैसी लगी है। उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 फीसदी से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें। छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय–समय पर सिंचाई भी करते रहें।खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। डॉ खान ने किसानों को सुझाव देते हुए बताया कि शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है, ताकि नर्सरी सूखने न पाए। समय–समय पर सिंचाई करते रहें।

धान की पौध की पत्तियां पीली होने पर करें प्रबंध

जासं, कानपुर देहात : तेज गर्मी से धान की लगाई पौध की पत्तियां पीली व सफेद होने पर किसान बचाव का प्रबंध करें। इसके लिए कृषि विज्ञानी ने एडवाइजरी जारी की है।

धान की पौध देखते किसान • सौजन्य

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि विज्ञानी डाक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। कृषि विज्ञानी डा. खलील खान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने लगी है। उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 प्रतिशत से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कृषि विज्ञानी ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें। छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय-समय पर सिंचाई भी करते रहें। खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। डा. खान ने किसानों को सुझाव देते हुए बताया कि शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। समय-समय पर सिंचाई करते रहें।

दैनिक
आज का कानपुर

धान नर्सरी की पत्तियां पीली व सफेद होने पर किसान करें प्रबंधन

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने जैसी लगी है। उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 फीसदी से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें।

छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय-समय पर सिंचाई भी करते रहें।खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। डॉ खान ने किसानों को सुझाव देते हुए बताया कि शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है, ताकि नर्सरी सूखने न पाए। समय-समय पर सिंचाई करते रहें।

पूरे प्रदेश में आयोजि

आज का कानपुर

कानपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रकोष्ठ और विभाग 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित करेंगे ।यह निर्णय आज प्रकोष्ठ और विभागों के प्रदेश संयोजकों की बैठक में लिया गया ।बैठक को संबोधित करते हुए महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा की सभी प्रकोष्ठों और विभागों को पूरे प्रदेश में प्रभावी कार्यक्रम योग दिवस के अवसर पर आयोजित करने हैं ।इसके लिए उन्होंने सुझाव दिया कि अभी से कार्यक्रमों हेतु स्थान, समय को सूचीबद्ध कर प्रत्येक कार्यक्रम के लिए एक-एक संयोजक की नियुक्त कर दे ,उसी की देखरेख में पूरा कार्यक्रम आयोजित किया जाए ।प्रदेश प्रभारी प्रकोष्ठ एवं विभाग ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि प्रकोष्ठ जिस क्षेत्र में काम कर रहे हैं उन्हीं क्षेत्र के लोगों को योग के कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए। जैसे शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ ,शिक्षण संस्थानों में ,विधि प्रकोष्ठ वकीलों के बीच चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉक्टरों के बीच कार्यक्रम आयोजित करें। बैठक में यह भी निश्चय किया गया कि सभी प्रकोष्ठ और विभाग प्रभावी कार्यक्रम

लखनऊ व कानपुर से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 26 अंक : 331 लखनऊ, रविवार 15 जून 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

धान नर्सरी की पत्तियां पीली, सफेद होने पर किसान करें प्रबंधन

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने जैसी लगी है। उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 फीसदी से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें। छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय-समय पर सिंचाई भी करते रहें।खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। डॉ खान ने किसानों को सुझाव देते हुए बताया कि शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें।

इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है, ताकि नर्सरी सूखने न पाए। समय-समय पर सिंचाई करते रहें।

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष : 15 अंक : 232 कानपुर देहात, रविवार 15 जून, 2025 Email: sattaexpress@gmail.com

हिला

काला

र्भवती महिला
गाते हुए वरिष्ठ
जों के अनुसार
, थाना भमोरा
लेकिन विवाह

धान नर्सरी की पत्तियां पीली सफेद होने पर करें प्रबंधन

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर देहात। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने धान नर्सरी को पीली व सफेद होने से बचाने हेतु बताया कि किसानों की धान की नर्सरी सूरज की तपिश व अधिक गर्मी से धान की नर्सरी पीली व सफेद तो हो ही रही है, इसके साथ ही खेतों में दरार पड़ने से नर्सरी के खराब होने की संभावना है। पिछले एक सप्ताह से आग उगलती गर्मी के कारण पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेतों में धान की नर्सरी सूखने जैसी लगी है। उन्होंने बताया कि जिले में 30 से 35 फीसदी से अधिक किसानों ने धान की नर्सरी डाल दी है। ऐसे में धान की नर्सरी पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की नर्सरी पीली व सफेद हो रही हो तो खेत में प्रति टंकी तीन सौ ग्राम यूरिया, 75 ग्राम जिंक सल्फेट, 75 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 23 मिलीग्राम मात्रा प्रोपिकोनाजोल का घोल बनाकर छिड़काव करें। छिड़काव करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि हवा न बह रही हो। साथ ही किसान भाई समय-समय पर सिंचाई भी करते रहें ।खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है। शाम को खेत में पानी लगाएं तो सुबह निकाल दें। इससे धान की नर्सरी को फायदा होगा। भीषण गर्मी को देखते हुए खेत में नमी बनाए रखने की जरूरत है, ताकि नर्सरी सूखने न पाए। समय-समय पर सिंचाई करते रहें।